# कक्षा – 8 विषय– हिन्दी नियत कार्य–3

(सत्र – 2013–2014)

1. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए –
   (क) बात, थप–थप (नामधातु क्रियाएँ बताइए)
   (ख) बेटा, खाना खाकर पढ़ने बैठ जाना। (पूर्वकालिक क्रिया छाँटकर लिखिए)
   (ग) मोहिनी पत्र लिखती है। (कर्म के आधार पर क्रिया का भेद लिखिए)
   (घ) राजीव खाना बनाता है। (प्रेरणार्थक क्रिया में बदलकर वाक्य पुनः लिखिए)
2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए –
   (क) दिन–दीन ( वाक्य प्रयोग कर अर्थ स्पष्ट कीजिए)
   (ख) दुम दबाकर भागना (मुहावरा को वाक्य में प्रयोग कीजिए)
   (ग) समाज, धन (विशेषण रूप लिखिए)
   (घ) राधा तो आजकल नज़र नहीं आती,वह तो ............................ हो गई है। ( रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए)
3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए –
   (क) बदलू लाख की चूड़ियाँ बनाएगा। (क्रिया को रेखांकित कर उसका काल बताइए)
   (ख) रमाकांत मंदिर में पूजा कर रहा है। (वाक्य में क्रिया बदलकर भाविष्यकाल में लिखिए)
   (ग) पवन –पावन (अर्थ लिखिए )
   (घ) सच्चे लोग किसी की परवाह नहीं करते। (प्रस्तुत वाक्य विशेषण हैं या क्रिया विशेषण)
4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए –
   (क) बच्चा छत में गिर पड़ा।। (वाक्य शुद्ध कीजिए)
   (ख) इतनी सुबह सुबह तुम कहाँ चल दिए (उचित विराम चिह्न लगाइए )
   (ग) सड़क पर भागो। (प्रस्तुत वाक्य निषेधात्मक वाक्य में बदलकर पुनः लिखिए)
   (घ) जी हाँ ! आप बिल्कुल ठीक कह रही हैं। (वाक्य में कौन –सा भाव प्रकट हो रहा है।)
5. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए –
   (क) बस के सामने बच्चा अचानक आ गया। ( संबंधबोधक शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए)
   (ख) मैंने कोशिश तो की , ................ काम नहीं बना (रिक्त स्थान की पूर्ति उचित समुच्चयबोधक शब्द से कीजिए)
   (ग) आकाश में तारे टिमटिमा रहे हैं। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए)
   (घ) वाह ! ( विस्मयादिबोधक शब्द से वाक्य बनाइए)
6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए –

   सफलता के मंदिर में जाने के लिए कोई खुला द्वार नहीं है। जो उस मंदिर में प्रवेश करना चाहता है, वह स्वयं ही अपने लिए द्वार बनाता है। जब वह अंदर प्रवेश कर लेता है तो द्वार स्वयं बंद हो जाता है। जीवन का यह भेद है, जिसे सृष्टिकर्त्ता के सिवा कोई नहीं जानता। कुशाग्र बुद्धि सदा दीनता में उत्पन्न होती है और कष्टों का उसे सामना करना पड़ता है। संसार का अनुभव यह कहता है कि कुशाग्र बुद्दि वाले– तड़कते–भड़कते चमकीले प्रासादों में, जहाँ कोई कष्ट न हो, पैदा नहीं होते। यदि कहीं ऐसा हुआ भी तो उन्हें ये सारी सुख–सुविधाएँ त्यागनी पड़ी हैं। भगवान रामचंद्र और महात्मा बुद्ध का जीवन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। जितने धर्माचार्य, साहित्यकार, विद्वान, वैज्ञानिक, आविष्कारक, महान व्यक्ति हुए हैं, उन्होंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया है।

   (क) सफलता के मंदिर में जाने के लिए द्वार कौन बनाता है ?

   (i) मनुष्य स्वयं (ii) मित्र (iii) साथी (iv) घर के बुजुर्ग।

   (ख) कुशाग्र बुद्धिवालों के लिए संसार में क्या अनुभव हैं ?

   (i) वे कष्टों में पैदा होते हैं (ii) वे लड़ते रहते हैं (iii) वे महलों में रहते हैं (iv) वे शांत रहते हैं

(ग) निम्नलिखित में कौन–सा शब्द विशेषण नहीं है ?

(i) कुशाग्र (ii) चमकीले (iii) बुद्धि (iv) सफल

(घ) इनमें से कौन–सा शब्द 'प्रति' उपसर्ग का नहीं है ?

(i) प्रमाण (ii) प्रत्यक्ष (iii) प्रतिदिन (iv) प्रत्येक

(ङ) 'नई–नई खोज करने वाला' के लिए क्या शब्द आएगा ?

(i) वैज्ञानिक (ii) सामाजिक (iii) आविष्कारक (iv) विद्याविशारद

7. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए –

साथियों यह हमारा वतन
सारी दुनिया से न्यारा वतन
जान भी इस पर कुरबान है
जान से भी है प्यारा वतन।
गंगा की लहरें यमुना का पानी
है इस वतन की चढ़ती जवानी
सदियों से कहता रहा है हिमालय
इसके शहीदों की अनुपम कहानी।
गंगा के जल से हिमगिरी के बल से
सींचा है, यह चमन।
मीरा का मंदिर यह राधा का घर है
सीता–सावित्री की धरती अमर है
जौहर की ज्वाला है यह पद्मिनी की
झाँसी की रानी का यही समर है
सतियों के सत से, मुनियों के मन से
सींचा है, यह चमन।

(क) हमारा देश कैसा है ?

(i) और देशों की तरह (ii) दुनियाँ भर से अलग (iii) चिड़िया घर की तरह (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) 'हिमालय' का संधि–विच्छेद है –

(i)हि +मालय (ii)हिमा +लय (iii)हिम +आलय (iv)हिमा +आलय

(ग) हिमालय का उल्लेख किस रूप में किया गया है ?

(i) नवयुवकों (ii)भारतीय नारियों (iii)चढ़ती जवानी (iv)शहीदों की कहानी कहनेवाला

(घ) कवि ने मीरा, राधा, सीता, सावित्री आदि रानियों को कैसा बताया है ?

(i) महानता (ii) अमरता (iii) वीरांगना (iv) समरसता

(ङ) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त दो उर्दू के शब्द बताइए –

(i) गंगा, वतन (ii)कुरबान, प्यारा (iii)वतन, कुरबान (iv) ज्वाला, कुरबान

8. मैं आगे बढ़ा ही था कि बेर की झाड़ी पर से मोती–सी एक बूँद मेरे हाथ पर आ गिरी। मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब मैंने देखा कि ओस की बूँद मेरी कलाई पर से सरककर हथैली पर आ गई। मेरी दृष्टि पड़ते ही वह ठहर गई। थोड़ी देर में मुझे सितार के तारों की–सी झंकार सुनाई देने लगी। मैंने सोचा कि कोई बजा रहा होगा। चारों ओर देखा। कोई नहीं। फिर अनुभव हुआ कि यह स्वर मेरी हथैली से निकल रहा है। ध्यान से देखने पर मालूम हुआ कि बूँद के दो कण हो गए हैं और वे दोनों हिल–हिलकर यह स्वर उत्पन्न कर रहे हैं।

(क) लेखक की कलाई पर बूँद कहाँ से आ गिरी ?

(i) आम के पेड़ से (ii) बेर के पेड़ से (iii) गुलाब के पेड़ से (iv) नीम के पेड़ से

(ख) पेड़ से गिरने वाली बूँद लेखक को निम्नलिखित में कैसे लगी ?

(i) सोने –सी (ii) हीरे –सी (iii) चांदी–सी (iv) मोती–सी।

(ग) बूँद के हथैली पर पड़ते ही लेखक को किस तरह की ध्वनि सुनाई पड़ी ?

(i) सितार के तारों–सी (ii) गिटार के तारों–सी (iii) वीणा के तारों –सी (iv) वायलिन की तारों–सी

(घ) लेखक के कलाई से हथैली पर आकर बूँद के कितने कण हो गए थे ?

(i) तीन (ii) दो (iii) चार (iv) पाँच

(ङ) गद्यांश के लेखक का नाम है –

(i) रामचन्द्र तिवारी (ii) सियाराम तिवारी (iii) प्रदीप तिवारी (iv) मनोज तिवारी

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

(क) सुदामा की दीनदशा देखकर श्री कृष्ण की क्या मनोदशा हुई ? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।' आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन–कौन सी बातें समझ ली होंगी ?

(ग) श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या–क्या सोच रहे थे ?

(घ) बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था ?

(ङ) लेखक ने परमसंगी किसे कहा है ? वे किस प्रकार परमसंगी थे ?

10. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखिए –

जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान ।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि ने साधु की जाति न पूछने के लिए क्यों कहा है ?

(ग) आपके विचार से जाति महत्वपूर्ण है या ज्ञान की बातें, लिखें।

–––0––––